Contents

- :: अनुक्रमणिका :: -

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
	प्रवचन	- १ से १० तक
प्रथम	निराला जी का जीवन व्यक्तित्व, तथा काव्य कृतियों का संक्षिप्त परिचय	- ११ से ४४
	जीवन-परिचय, जन्मतिथि, जन्म स्थान,	
	प्रारम्भिक जीवन - शिक्षा दीक्षा,	
	संगीत प्रेम - विवाह - संघर्षपूर्ण	
	जीवन - अन्तिम दिन ।	
	व्यक्तित्व :-	
	वेशभूषा और केश विन्यास	
	औदार्य - आत्माभिमान	
	विद्रोही व्यक्तित्व,	
	काव्य कृतियां :-	
	परिमल - अनामिका -	
	गीतिका - तुलसीदास - कुकुरमुत्ता	
	अणिमा - बेला - नये पत्ते -	
	अर्चना - आराधना - गीतगुंज -	
	सांध्य काकली ।	
द्वितीय	गीतिकाव्य की परिभाषा -स्वरूप और विकास ।	- ४५ से ८८
	गीत तथा गीति शब्द का अर्थ	
	गीति काव्य की परिभाषा	

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
	गीति काव्य के तत्व गीति काव्य का विकास परंपरा भारतीय एवं पश्चिमी । निराला जी का गीति काव्य में महत्व और योगदान ।	
तृतीय	काव्य और संगीत का सम्बन्ध	– ८९ से ११४
	परिभाषा ललित कलाएँ – वास्तु कला – मूर्तिकला चित्रकला – संगीत कला – काव्य कला । काव्य और अन्य कलाओं का तुलनात्मक विवेचन । काव्य और संगीत के समान तत्व – कल्पना – भावाभिव्यक्ति – संस्कृति और समाज का प्रतिबिम्ब – धर्म और भक्ति – आनंद प्राप्ति – सहृदयता नाद, रसोत्पत्ति – छन्द – अलंकार– लय – भाषा – निष्कर्ष ।	
चतुर्थ	निराला काव्य में संगीत तत्व ।	– ११५ से १७६
	निराला की सांगीतिक मान्यताएँ निराला काव्य में संगीत तत्व – तान – स्वर – सरगम – सप्तक – लय – ताल – गत तथा मींड । निराला जी का राग ज्ञान निराला काव्य में वाद्य यन्त्र –	

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
	तत वाद्य - वितत वाद्य - घन वाद्य,	
	निराला जी का नृत्य सम्बन्धी ज्ञान -	
	नृत्य शैलियां - नूपुर - अंग संचालन,	
	निराला काव्य में लोक संगीत,	
	निराला काव्य में लय और ताल,	
	निष्कर्ष ।	
पंचम	निराला के गीतों का वर्गीकरण :	— १७७ से २१९
	विषय वस्तु की दृष्टि से -	
	प्रेम और श्रृंगार के गीत	
	प्रकृति सम्बन्धी गीत	
	मानवता वादी गीत	
	शोक गीत	
	प्रगतिशील तथा प्रयोगशील गीत	
	आत्मपरक गीत	
	राष्ट्रीय गीत	
	रहस्यवादी गीत	
	भक्ति प्रधान और विनय के गीत	
	हास्य और व्यंग्य गीत	
	स्फुट गीत	
	रस की दृष्टि से गीतों का वर्गीकरण :	
	श्रृंगार	
	वीर	
	करुण	
	रौद्र	

अध्याय	विषय	पृष्ठ संख्या
	वीभत्स	
	भयानक	
	अद्भुत	
	हास्य	
	शांत	
	भक्ति	
	वात्सल्य	
षष्ठ	स्वर-लिपियां :	- २२० से ३१२
	विभिन्न राग-रागिनियों तथा तालों में निबद्ध निराला जी के प्रमुख गीत	
सप्तम	उपसंहार :	- ३१३ से ३२८
	उपादेयता और महत्व	
परिशिष्ट	स्वरलिपियों में निबद्ध गीतों का काव्य पाठ ।	- ३२९ से ३५४
	सहायक ग्रंथों की सूची :	- ३५५ से ३६५

--